पुष्प प्रदर्शनी में बिखरी मनोहारी छटा

पुष्प प्रकृति की सुंदरतम देन है। चाहे प्रेम की अभिव्यक्ति करनी हो या संवेदना दर्शानी हो अथवा किसी की नजाकत की उपमा देनी हो, हर जगह उपमा फूलों पर ही टिकती है। खिले फूलों को देखकर को तो मन खुद ही खिल उठता है। मालवीय भवन में मालवीय स्मृति पुष्प प्रदर्शनी में मनोहारी छटा बिखर रही थी। पं मदन मोहन मालवीय की जयंती पर आयोजित गुलाब एवं गुलदाउदी पुष्प प्रदर्शनी का उद्घाटन कुलपति प्रो० पंजाब सिंह ने २५ दिसम्बर को पुष्प मडंप का फीता काटकर किया। मालवीय भवन में शाम होने के साथ ही भीड़ लगने लगी। यहां गमलों में लगे सैकड़ों तरह के पुष्प करीने से सजाएं गये थे। इनके बीच सबके आकर्षण का केंद्र बनी दो नन्ही जुड़वा कलियां। फूलों से सजे मंडपों में दर्शक फोटों खिंचाने के लिए लालायित दिखे तो फूल, फल एवं सब्जियों से बनी गणेश मूर्ति, मछली और कछुआ आदि ने सबको आकर्षित किया। लोगों के सर्वाधिक आकर्षण का केंद्र रहा बीएचयू के वीरम चौरसिया द्वारा धान से बनाया गया मालवीय जी का चित्र। जिसे प्रथम पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता में हजारों फूलों के बीच राजा गुलाब चुना गया। जिसे प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा प्रस्तुत किया गया था। वहीं रानी का खिताब मिला पीले रंग पर सुर्ख बिंदियों से सजी रसायन विभाग की 'अलिका' को। प्रिंस ऑफ द शो बना

हिंदुस्तान नर्सरी मंडुआडीह का 'राडार' तो प्रिंसेस चुनी गई ग्लोब नर्सरी मंडुआडीह की 'लेजर फील्ड'। प्रतियोगिता में मालवीय भवन तथा बीएचयू के विभिन्न विभागों सहित शहर की विभिन्न संस्थाओं एवं नर्सरियों से लगभग सत्तर प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। विभिन्न प्रजातियों के गुलाब एवं गुलदाउदी के साथ तुलसी क्रोटन, फल, सब्जियों, फूलों से सजे मंडप, खाद्य पदार्थो एवं फूलों से बने मालवीय जी तथा जीव जंतुओं पर आधारित कृतियों का प्रदर्शन किया गया। फूलों से सजे मंडप का प्रथम पुरस्कार संयुक्त रूप से वनस्पति शास्त्र विभाग एवं त्रिवेणी संकुल को दिया गया।

मालवीय के आदर्शों पर चलने का संकल्प

'न त्वहं कामये राज्यं न स्वर्गं.... प्राणिनाम् आर्तनाशनम्' यह सर्वविद्या की राजधानी काशी हिंदू विश्वविद्यालय के संस्थापक पं. मदन मोहन मालवीय का जीवन दर्शन था। न स्वर्ग की कामना, न राज्य और न पुनर्जन्म, उनकी एक मात्र कामना थी जीवमात्र के दुखों को दूर कर पाने की शक्ति का संचय। २४ दिसम्बर को मालवीय भवन में महामना जयंती समारोह का समापन किया गया। उनके जीवन दर्शनपूर्ण श्लोकों का सस्वर गायन कर मंचकला संकाय की डा. अर्चना दीक्षित एवं डा. संगीता पंडित ने श्रद्धाजंली अर्पित की। इस अवसर पर पूर्व में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों को कुलपति प्रो. पंजाब सिंह ने पुरस्कृत किया। दस दिनों तक चलने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं के बाद मालवीय भवन से सिंह द्वार तक दीपसज्जा दीपावली का भ्रम पैदा करती थी। इस अवसर पर पुष्प प्रदर्शनी के तहत फूलों से सजे मालवीय भवन में महामना जयंती समारोह का शुभारम्भ कुलपति प्रो. पंजाब सिंह द्वारा महामना की मूर्ति पर माल्यार्पण कर किया गया। मुख्य अतिथि संकटमोचन के महंत प्रो. वीरभद्र मिश्र ने महामना को विश्वरूप की संज्ञा देते हुए विश्वविद्यालय को उनकी देशभक्ति का अमिट प्रमाण कहा। मालवीय जयंती के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रिया गांगुली, एस वेंकटेश, गणेश्वर नाथ झा, सिद्धिदात्री भारद्वाज, कंचन तिवारी, कुंजबिहारी शर्मा, संकटा प्रसाद, ऐश्वर्या बनर्जी, देवकी तिवारी, कंचन, पियुष त्रिपाठी, दुर्गा कविमंडन,

कुलपति प्रो पंजाब सिंह महामना के जयन्ती सप्ताह के अंतर्गत आयोजित श्रीमद्भागवत् सप्ताह की पूर्णाहुति देते हुए। साथ में हैं उनकी पत्नी श्रीमती कमला सिंह।

दिव्या चटर्जी, विदिशा शुक्ला को प्रथम पुरस्कार मिला। समारोह में कार्यकारिणी परिषद के सदस्य प्रो. अंजन बनर्जी, डा. एसडी सिंह आदि विशिष्ट व्यक्ति उपस्थित रहे। सप्ताहांत मालवीय जयंती समारोह का आयोजन छात्रअधिष्ठाता प्रो. वी.के. कुमरा ने किया।

राजा रानी का दर्जा बीएचयू के नाम, प्रिंस प्रिंसेज बने मडुआडीह नर्सरियों के गुलाब, प्रदर्शनी में बैगन के शिवलिंग व कद्दू से बने गणपति की चर्चा

पुष्प प्रदर्शनी में बिखरी मनोहारी छटा

वाराणसी पुष्प प्रकृति की सुंदरतम देन है। चाहे प्रेम की अभिव्यक्ति करनी हो या संबेदना दर्शानी हो अथवा किसी की नजाकत की उपमा देनी हो, हर जगह उपमा फूलों पर ही टिकती है। खिले फूलों को देखकर को तो मन खुद ही खिल उठता है। बीएचयू मालवीय भवन में मालवीय भवन में रविवार को मालवीय स्मृति पुष्प प्रदर्शनी में मनोहारी छटा बिखर रही थी। बीएचयू के संस्थापक पं मदन मोहन की जयंती पर आयोजित गुलाब एवं गुलदाउदी पुष्प प्रदर्शनी का उद्घाटन कुलपति प्रो० पंजाब सिंह ने रविवार को पुष्प मडंप का फीता काटकर किया।

पुष्प प्रदर्शनी का आकषर्ण महामना का तपोस्थली मालवीय भवन में खींच लाया शाम होने के साथ ही प्रदर्शनी में भीड़ लगने लगी। यहां गमलों में लगे सैकड़ों तरह के पुष्प करीने से सजाएं गये हैं। इनके बीच सबके आकर्षण का केंद्र बनी दो नन्ही जुड़वा कलियां। फूलों से सजे मंडपों में दर्शक फोटों खिंचाने के लिए लालायित दिखे तो फूल, फल एवं सब्जियों से बनी गणेश मूर्ति, मछली ओंर कछुआ आदि ने सबको आकर्षित किया। लोगों के सर्वाधिक आकर्षण का केंद्र रहा बीएचयू के वीरम चौरसिया द्वारा धान से बनाया गया मालवीय का चित्र इसी से ही मालवीय जी का आधारित कृति